आईआईएम राँची का 16वां स्थापना दिबस मनाया गया

जिम्मेदार प्रबंधन से होगा सार्थक बदलाव

जागरण संवाददाता, रांची : आइआइएम रांची ने अपने 16वें स्थापना दिवस को एक उत्सव के साथ मनाया। कार्यक्रम में भाषणों, पुरस्कार समारोहों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों का एक आकर्षक मिश्रण पेश किया गया। शुरुआत मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय रांची के न्यायाधीश दीपक रोशन सहित विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों के स्वागत से हुई। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के अध्यक्ष डा. मीनेश सी. शाह, आइआइएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव और ओम प्रकाश सिंघानिया, बोर्ड के सदस्य उपस्थित रहे। निदेशक ने आइआइएम रांची की यात्रा पर विचार किया, जिसमें समग्र विकास, सामाजिक उद्यमिता और इसके आदर्श वाक्य, बहुमुख

मुख्य अतिथि को सम्मानित करते निदेशक

विकास गंतव्यम पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने इस पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया कि कैसे जिम्मेदार प्रबंधन समाज में सार्थक बदलाव ला सकता है। कार्यक्रम में शैक्षणिक उत्कृष्टता को भी मान्यता दी गई, जिसमें 2023-24 के रैंक धारकों को सम्मानित किया गया और संस्थान में 10 वर्ष की सेवा पूरी करने के लिए प्रो. गौरव मनोहर मराठे को विशेष प्रतीक दिया गया। डा. मीनेश सी. शाह ने विकसित भारत बनने की दिशा में भारत की प्रगति पर अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने देश के विकास में डेयरी उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बात की। डा. शाह ने छात्रों को अपने चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देते एआइ और डिजिटल अर्थव्यवस्था द्वारा लाए गए उभरते बदलावों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने आइआइएम रांची की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने महिलाओं के प्रबंधकीय कौशल पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन बोर्ड के निदेशक और सदस्य द्वारा गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित करने, धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

Dainik Jagaran_P.05_Date_16.12.2024

जीवन के हर कदम पर बेहतर मैनेजमेंट है जरूरी : जस्टिस दीपक

सिटी रिपोर्टर | रांची

आईआईएम रांची में रविवार को संस्थान का 16वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड हाईकोर्ट रांची के जस्टिस दीपक रोशन, चेयरमैन नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड डॉ. मीनेश सी शाह, संस्थान के डायरेक्टर दीपक कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

जस्टिस दीपक रोशन ने कहा कि मैनेजमेंट तकनीक हर व्यक्ति में होता है। कामकाजी महिलाएं सबसे बेहतर मैनेजर होती हैं। जो अपने काम के साथ-साथ अपने घर को भी बेहतर ढंग से संचालित करती हैं। मार्केटिंग मैनेजमेंट के लिए बेहतर कम्युनिकेशन होना भी महत्वपूर्ण है। जीवन एक संघर्ष है, इसे संचालित करना ही प्रबंधन की कला है। हर कदम पर मैनेजमेंट की आवश्यकता पड़ती है। मीनेश सी शाह ने कहा कि डेयरी के क्षेत्र में बेहतर अवसर हैं। इस क्षेत्र में लगातार विकास हो रहा है। गाय पालन आय का मुख्य श्रोत बनता जा रहा है। वैश्विक दूध उत्पादन में भारत का योगदान 24 प्रतिशत है। उन्होंने देशभर में चल रहे डेयरी कोऑपरेटिव सोसाइटी के बारे में भी विस्तार से चर्चा किए। दीपक कुमार श्रीवास्तव ने संस्थान के यात्रा के बारे बताया। इस अवसर पर विभिन्न प्रोग्राम में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

आईआईएम रांची का 16वां स्थापना दिवस मनाया गया

बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स हुए सम्मानित : स्थापना दिवस के अवसर पर सत्र 2023-25 में एमबीए के 11, एमबीए-एचआर, एमबीए-बीए व एग्जीक्यूटिव एमबीए के पांच-पांच विद्यार्थी सहित आइपीएम बैच 2022-27 और 2023-28 के पांच-पांच छात्रों को उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। वहीं प्रोफेसर गौरव मराठे को 10 वर्ष पूरे होने पर सम्मानित किया गया।

Dainik Bhaskar_P.02_Date_16.12.2024

कार्यक्रम भारतीय प्रबंधन संस्थान का 16वां स्थापना दिवस समारोह मनाया, संस्थान की विरासत और भविष्य के दृष्टिकोण को साझा करने के लिए शिक्षक और पूर्व छात्र रहे मौजूद

बदलते दौर में तकनीक को अपनाने के लिए तैयार रहें युवा: डॉ शाह

रांची, विशेष संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची ने अपने 16वें स्थापना दिवस पर संस्थान की विरासत और भविष्य के दृष्टिकोण को साझा करने के लिए शिक्षकों, विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों को एक साथ लाया। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रोशन ने किया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के अध्यक्ष डॉ मीनेश सी शाह मौजूद थे। उन्होंने विकसित भारत बनने की दिशा में देश की प्रगति पर बात की। कहा, भारत के विकास में डेयरी उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। महिला सशक्तिकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता में इसके योगदान पर जोर दिया। डॉ शाह ने विद्यार्थियों को अपने चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हुए बदलते दौरा में एआई और डिजिटल अर्थव्यवस्था से आए उभरते बदलावों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करनेवाले रैंक धारकों को सम्मानित किया गया: समारोह में सत्र 2023-24 में शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करनेवाले रैंक धारकों को सम्मानित किया गया। साथ ही, संस्थान में 10 वर्ष की सेवा पूरी करने के लिए प्रो गौरव मनोहर मराठे को भी सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर स्थापना दिवस का जश्न मनाया।

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची के 16वें स्थापना दिवस समारोह में रविवार को मंच पर मौजूद अतिथि।

जिम्मेदार प्रबंधन ला सकता है बदलाव: आईआईएम, रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव, ने संस्थान की यात्रा को बताया, जिसमें समग्र विकास, सामाजिक उद्यमिता और इसके अद्वितीय आदर्श वाक्य- बहुमुख विकास गन्तव्यम पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने इस बात पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया कि कैसे जिम्मेदार प्रबंधन समाज में सार्थक बदलाव ला सकता है। समारोह में बोर्ड के सदस्य ओम प्रकाश सिंघानिया, संस्थान के सभी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद थे।

महिलाओं के प्रबंधकीय कौशल पर दिया जोर

स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने आईआईएम, रांची की उपलब्धियों की प्रशंसा की और इसके भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने महिलाओं के अद्वितीय प्रबंधकीय कौशल पर जोर दिया और व्यक्तियों के लिए एक उच्च लक्ष्य के रूप में आत्म-प्राप्ति पर अंतरदृष्टि साझा की।

सांस्कृतिक प्रस्तुति हुई: कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विविध और जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

Hindustan_P.06_Date_16.12.2024

आइआइएम रांची का 16वां स्थापना दिवस मनाया गया

विद्यार्थी नौकरी की जगह रोजगार का विकल्प तैयार करें : डॉ मीनेश

डेयरी उद्योग रोजगार सृजन का बेहतर विकल्प, नयी तकनीक और प्रबंधन कौशल को अपनायें

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

कृषि कार्यों से जुड़े विभिन्न आयामों में भारत ने वैश्विक पहचान बनायी है. पारंपरिक ज्ञान के साथ तकनीक का सटीक इस्तेमाल किया जाये, तो इस क्षेत्र में रोजगार सृजन संभव है. डेयरी इंडस्ट्री एग्रीकल्चर का हिस्सा है. यह एकमात्र ऐसा करियर विकल्प है, जिसके हर उत्पाद के साथ व्यर्थ सामग्री से भी राजस्व तैयार किया जा सकता है. प्रबंधन के विद्यार्थी अगर बतौर उद्यमी डेयरी व्यवसाय से जुड़ें, तो सैकड़ों लोगों को रोजगार दे सकते हैं. इसके लिए उचित प्रबंधन, कौशल और रणनीति की जरूरत है. भारत दूध उत्पादन में शीर्ष देशों में एक है. ग्लोबल मार्केट में 24 फीसदी दूध की उपलब्धता भारत से हो रही है. ऐसे में प्राकृतिक गुणधर्मों में बदलाव न कर ईमानदारी से प्रयास किया जाये, तो डेयरी व्यवसाय में भारत शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है.

यह बातें नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के चेयरमैन डॉ मीनेश शाह ने कहीं. वे रविवार को आइआइएम रांची के 16वें स्थापना दिवस समारोह में व्याख्यान देने पहुंचे थे. उन्होंने विद्यार्थियों को देश के विकास के लिए ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अपने प्रबंधन कौशल को इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया.

गाय को संसाधन नहीं जीविका से जोड़ने की पहल करनी होगी : डॉ शाह ने कहा कि डेयरी उद्योग के क्षेत्र में यूरोपियन देश, यूएस, कनाडा, न्यूजीलैंड समेत कई अन्य देश बड़ा बाजार स्थापित कर चुके हैं. जबकि, भारत में दूध उत्पादन घर-घर की परंपरा रही है. यहां लोग गाय को व्यापार से नहीं जोड़ना चाहते. ऐसे में गाय को संसाधन नहीं जीविका से जोड़ना होगा. पारंपरिक दूध उत्पादन के पेशे से देशभर के एक करोड़ लोग जुड़े हुए हैं. देश में ज्यादा से ज्यादा डेयरी उद्योग विकसित होने से रोजगार बढ़ेगा. उद्योग विकसित होंगे, तो यहां महिलाओं के लिए 80 फीसदी रोजगार के अवसर होंगे. आज गुजरात डेयरी उद्योग का एक उदाहरण बन चुका है. इसके मॉडल को अपनाकर झारखंड में भी नये अवसर तैयार हो सकते हैं. झारखंड मिल्क फेडरेशन इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में सहयोग करेगा. सरकार भी गाय पालन के लिए कई योजनाएं चला रही है. इसकी जानकारी लोगों के बीच पहुंचानी होगी. प्रबंधन के विद्यार्थी नौकरी की जगह रोजगार का विकल्प तैयार करने में अपनी ऊर्जा लगायें. डेयरी उद्योग को अपने स्टार्टअप के रूप में चुनें.

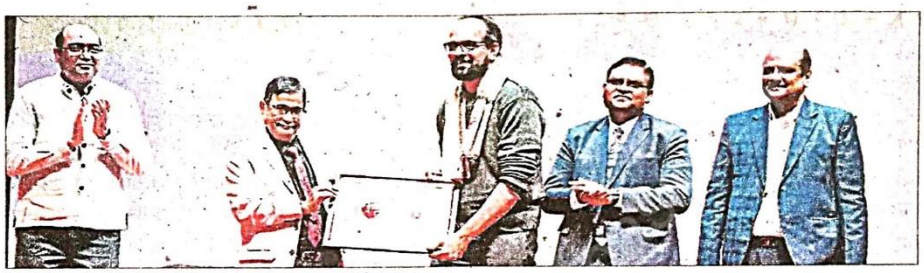

आइआइएम रांची के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रो गौरव को किया गया सम्मानित.

आत्मबोध से सीख लेने की कला ही अच्छे प्रबंधक की निशानी : जस्टिस दीपक रोशन

स्थापना दिवस समारोह में झारखंड हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति दीपक रोशन बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. उन्होंने कहा कि मैनेजमेंट एक तकनीक है, जो हर मनुष्य के गुण में स्वतः शामिल होती है. आत्मबोध से सीख लेने की कला जिसमें बेहतर विकसित होगी, वह अच्छा प्रबंधक बन सकता है. संस्थान के पाठ्यक्रम के साथ व्यावहारिक ज्ञान हासिल करें. अच्छा प्रबंधक बनने के लिए संस्कृति से जुड़कर नयी संभावनाएं तलाशनी होगी. जीवन हर कदम पर नया अनुभव देता है. अपना लक्ष्य तय करें और संतुष्ट रहना सीखें.

विद्यार्थी अवसर तैयार करें : प्रो दीपक

आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को अवसर तलाशने की जगह स्किल से नये अवसर तैयार करने की बात कही. इस दौरान एमबीए के 11, एमबीए-एचआर, एमबीए-बीए व एग्जीक्यूटिव एमबीए के पांच-पांच विद्यार्थी, आइपीएम के 10 छात्रों को सम्मानित किया गया. वहीं, सहायक प्रोफेसर डॉ गौरव मनोहर मराठे को संस्थान में अपने 10 वर्ष पूरे करने के लिए सम्मानित किया गया. इस अवसर पर आइआइएम रांची के बोर्ड ऑफ गवर्नेंस के सदस्य ओम प्रकाश सिंघानिया, मेधा डेयरी के एमडी जयदेव बिस्वास समेत अन्य मौजूद थे.

Prabhat Khabar_P.05_Date_16.12.2024

आइआइएम रांची का स्थापना दिवस आज, 1500 विद्यार्थी कर रहे पढ़ाई

अभिषेक रॉय @ रांची

आइआइएम रांची का 16वां स्थापना दिवस समारोह 15 दिसंबर को मनेगा. अपनी 16 वर्ष की यात्रा में संस्थान लगातार नयी ऊंचाइयों को हासिल कर रहा है. भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने सितंबर 2015 में नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) की घोषणा की. 2016 में संस्थान का आकलन हुआ, तो प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान को देशभर में 28वां रैंक और 2023 में 24वां रैंक मिला था. वहीं, 2024 में हुए एनआइआरएफ रैंकिंग में संस्थान ने 17वां रैंक हासिल किया. इसके साथ ही इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आइआइआरएफ) में 15वां और देशभर के 21 आइआइएम में 10वें स्थान पर अपनी पहचान स्थापित की है. आइआइएम रांची की स्थापना 15 दिसंबर 2009 में हुई थी. 11वीं पंचवर्षीय योजना के तहत पूर्वोत्तर भारत में देश का नौवां भारतीय प्रबंधन संस्थान के रूप में इसकी स्थापना की गयी. विधिवत उदघाटन छह जुलाई 2010 को किया गया. शैक्षणिक गतिविधियों की शुरुआत दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट मैनेजमेंट कोर्स के साथ सूचना भवन, रांची से हुई. आइआइएम रांची का संचालन वर्तमान में निदेशक डॉ दीपक कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हो रहा है. वर्तमान में 11 डिग्री व सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन किया जा रहा है, जिसमें 1500 से अधिक विद्यार्थी व 65 से अधिक फैकल्टी हैं.

स्ट्रैटेजिक प्लान 2030 के तहत हो रहे बदलाव : निदेशक दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि संस्थान "स्ट्रैटेजिक प्लान 2030" पर अपना फोकस कर रहा है. इसके तहत एकेडमिक रिस्ट्रक्चरिंग के साथ ही इंडस्ट्री की जरूरत के हिसाब से शैक्षणिक गतिविधियों को विकसित किया है.

Prabhat Khabar_P.11_Date_15.12.2024

आईआईएम रांची का आज मनाया जाएगा स्थापना दिवस

44 छात्र, एक प्रोग्राम से हुआ था शुरू ,आज सात प्रोग्राम, 65 फैकल्टी व 1128 स्टूडेंट्स

सिटी रिपोर्टर| रांची

आईआईएम रांची का 16वां स्थापना दिवस रविवार को मनाया जाएगा। पिछले एक साल में आईआईएम रांची में कई शैक्षणिक निर्णय लिए गए। वहीं कई उपलब्धियां भी प्राप्त हुई। इस साल के नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2024 रैंकिंग में आईआईएम रांची को 17वां रैंक प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले साल 24वां रैंक प्राप्त हुआ था। इसके साथ ही छात्रों के लिए मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स शुरू किए गए हैं। संस्थान के डायरेक्टर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान में टीचिंग टेक्निक में भी नई पहल की गई है। जिसके तहत प्रॉब्लम सॉल्विंग केंद्रित शिक्षा की शुरुआत की गई है। जिसमें विषयों के साथ समस्या सुधार को केंद्र में रख कर छात्रों को पढ़ाया जा रहा है। बता दें आईआईएम रांची के अस्थाई कैंपस की नींव 15 दिसंबर 2009 में सूचना भवन में रखी गई। वहीं क्लास की शुरूआत 5 जुलाई 2010 से शुरू हुई। इसके साथ ही काँके रोड में सेटेलाइट ऑफिस और खेलगांव में हॉस्टल की व्यवस्था की गई। जब आईआईएम रांची की शुरूआत हुई तो इसकी मेंटरशिप आईआईएम कोलकाता द्वारा की जाती थी। वहां के प्रोफेसर आकर छात्रों को पढ़ाते थे। तब एक प्रोग्राम में 44 स्टूडेंट्स पढ़ाई करते थे। अब संस्थान का स्थाई कैंपस है। जहां वर्तमान में 7 प्रोग्राम में 1128 स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं 65 फैकल्टी अपनी सेवा दे रहे हैं।

आईआईएम रांची से जुड़े तथ्य

- इस साल आईआईएम रांची को 17वीं रैंक प्राप्त हुई है, जबकि पिछले साल 24वीं रैंक मिली थी।
- सेकेंड जेनरेशन आईआईएम में सबसे ज्यादा फैकल्टी आईआईएम रांची में है।
- अब तक एमबीए के 13 बैच और एमबीए एचआरएम के 11 बैच पासआउट हुए।
- सत्र 2022-24 तक एमबीए,एमबीए-एचआरएम, एमबीए बीए में कुल 2912 स्टूडेंट्स पासआउट हुए।
- आईआईएम रांची का नया कैंपस 60 एकड़ में फैला हुआ है। जो 280 करोड़ रुपए की लागत से बना है।

पिछले 1 साल में लिए गए निर्णय

- पीएचडी कोर्स में हुआ बदलाव, शोधकर्ताओं को दी जाने वाली स्टाइपेंड की राशि में की गई बढ़ोतरी
- इंटरनेशनल एक्रीडिटेशन करने की दिशा में काम किया जा रहा है।
- दूसरे देशों के मैनेजमेंट शिक्षकों को आईआईएम रांची में बुलाया गया।
- राष्ट्रीय स्तर पर केस स्टडी कांपिटीशन लांच किए गए।
- कामकाजी लोगों के लिए नए सर्टिफिक्रेट कोर्स शुरू किए गए।
- संस्थान द्वारा स्ट्रेटेजिक प्लान 2030 निर्धारित किया गया है। इसमें एजुकेशन, इंटरनेशनल कोलाब्रेशन, इंपैक्टफुल रिसर्च व सोशल इंपेक्ट शामिल है।

Dainik Bhaskar_P.03_Date_15.12.2024